पाठ 16. अन्याय के विरोध में

पाठ का उद्देश्य

प्रस्तुत पाठ अन्याय करने और सहने का विरोध करने के उद्देश्य से लिखा गया है। इस पाठ द्वारा बच्चे जागरूक बन पाएँगे कि कोई उनके साथ अन्याय या अनुचित व्यवहार न कर पाए।

पाठ का सारांश

जूलिया लेखक के बच्चों की देखभाल करती थी और उन्हें पढ़ाती भी थी। एक दिन लेखक जूलिया को तनख्वाह देने के लिए अपने पास बुलाते हैं। लेखक कोई न कोई बहाना बनाकर जूलिया के पैसे काटने का नाटक करते हैं। जूलिया विवश होकर चुपचाप लेखक की हर बात मान लेती है तथा किसी भी गलत बात का विरोध नहीं करती। जूलिया की आँखों में आँसू आ जाते हैं। लेखक जूलिया को समझाते हैं कि अपने अस्तित्व को बनाए रखने के लिए तुम्हें इस कठोर और निर्मम संसार से लड़ना होगा। इस संसार में डरपोक लोगों के लिए कोई जगह नहीं है। हमें अपने अधिकारों के लिए लड़ना चाहिए। अंत में लेखक जूलिया को पूरी तनख्वाह दे देते हैं और अपने द्वारा किए गए क्रूर मज़ाक के लिए माफ़ी माँगते हैं।

अध्यापन संकेत

पाठ का आदर्श वाचन करें। बच्चों से पाठ का मूल भाव पूछें फिर उन्हें मूल भाव समझाएँ। पाठ के महत्त्वपूर्ण अंश अथवा पंक्तियों का अर्थ समझाएँ। कठिन शब्दों के अर्थ बताएँ।

पाठ से संबंधित कुछ विशेष बातों पर बच्चों से विचार-विमर्श करें–

- ❖ पूछें, यदि चुप रह जाने से आपका काम सिद्ध हो सकता हो लेकिन उस काम के लिए आपका शोषण भी किया जा रहा हो, तब आप क्या करोगे? क्या आप अपना फ़ायदा देखोगे या उस शोषण के खिलाफ़ आवाज़ उठाओगे?
- ❖ अपने अधिकारों के प्रति जागरूक होना कितना आवश्यक है?
- ❖ क्या कभी आपके साथ ऐसा हुआ है कि आप किसी दुकान पर कोई सामान लेने गए और दुकानदार ने पैसों का हेर-फेर किया हो?

डिजिटल (Digital) के माध्यम से पाठ की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर पाठ के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए।